



१९९१

भारत का विज्ञप्ति The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 570]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 3, 1991/आश्विन 11, 1913

No. 570] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 3, 1991/ASVINA 11, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1991

का.न्रा. 666(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 641 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की अनुसूची 2 में 1 नवंबर, 1991 से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

"भाग 1

उक्त अनुसूची में, भाग 1 में 3 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित भाग और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

I. साधारण जानकारी: (क) कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम और पता

(अ) (i) वर्तमान निर्गम के लिए केन्द्रीय सरकार की सहमति और वित्तीय सुदृढ़ता या कथन की शुदृढ़ता के लिए अनुत्तरदायित्व के बारे में केन्द्रीय सरकार की घोषणा।

(ii) आशय पत्र/औद्योगिक अनुज्ञाप्ति और वित्तीय सुदृढ़ता या कथन की शुदृढ़ता के लिए अनुत्तरदायित्व के बारे में केन्द्रीय सरकार की घोषणा।

(ग) क्षेत्रीय स्टाक एक्सचेंज या अन्य स्टाक एक्सचेंज के नाम, जहां वर्तमान निर्गम को सूचीबद्ध करने के लिए आवेदन किया गया हो।

(घ) कलिपत्र आवेदनों के लिए दंड से संबंधित कंपनी अधिनियम की धारा 68क की उपधारा (1) के उपर्यंथ।

(क) यदि निर्गम बंद होने की तारीख से नव्वों तिने के भीतर नव्वे प्रतिशत को न्यूनतम प्रतिश्रुति प्राप्त नहीं होती है तो निर्गम के प्रतिक्रिया के संबंध में कथन/घोषणा ।

(च) धारा 73(2)/1(2क) के अधीन आबंटन पत्र जारी करने/दस सप्ताह की अवधि के भीतर प्रतिदाय और प्रतिदाय के विलंब की दशा में विहित दर पर व्याज के संबंध में घोषणा ।

(छ) निर्गम खुलने की तारीख/निर्गम बंद होने की तारीख तिराम के सर्वप्रथम बंद होने की तारीख ।

(ज) संपरीक्षक और मार्गदर्शी प्रबंध का नाम और पता ।

(झ) डिवेचर न्यास विनेश के अधीन न्यासी का नाम और पता (डिवेचर निर्गम की दशा में)

(झा) क्या प्रस्तावित डिवेचर/अधिमानी अंश (गोगर) निर्गम के लिए रेटिंग किमिल या अन्य रेटिंग अभिकरण से अभिप्राप्त की गई है ।

यदि कोई रेटिंग अभिप्राप्त नहीं की गई है तो इसका उत्तर “नहीं” में दें ।

यदि हां, तो रेटिंग को उपर्याप्त करें ।

(ट) निर्गम की हासीदारी

(हासीदारों का नाम और पता तथा उनके द्वारा बीमा की आने वाली रकम)

(वोई के निदेशकों द्वारा यह घोषणा कि हासीदारों के पास अपनी-अपनी आव्याहारों के उन्मोचन के लिए पर्याप्त साधन हैं)

II. कम्पनी की पूँजी संरचना : (क) प्राधिकृत, निर्गमित, प्रतिश्रुत और समादत्त पूँजी

(ख) संप्रबंद्तकों और अन्यों को अधिभान आबंटन के लिए पृथक-पृथक आरक्षण देते हुए, वर्तमान निर्गम का आकार ।

(ग) समादत्त पूँजी ।

(i) वर्तमान निर्गम के पश्चात्
(ii) डिवेचरों के संपरिवर्तन के पश्चात् (यदि लागू हो)

III. वर्तमान निर्गमन के निवन्धन (क) भुगतान की शर्तें

(ख) लिखत धारकों के अधिकार

(ग) कैसे आवेदन करें—प्ररूपों, प्रोस्पेक्टसों की उपलब्धता तथा भुगतान का ठंग ।

(घ) कंपनी और इसके अंश (शेयर) धारियों के लिए कोई विशेष कर फायदे

IV. निर्गमन की विशिष्टियां : (क) उद्देश्य

(ख) परियोजना लागत

(ग) वित्त पोषण के साधन

(जिसमें संप्रबंद्तकों का अधिदाय मिलित है)

V. कम्पनी, प्रबन्ध संडल और परियोजना : (क) कंपनी का उनिहास, मुख्य उद्देश्य और वर्तमान कारबाह

(ख) कंपनी की समनुपयी, यदि कोई हो (वित्तीय आंकड़ों के लिए धारा 2 में संपरीक्षक की रिपोर्ट देते)

(ग) संप्रबंद्तक और उनकी पाठ भमि

(घ) प्रबन्धक, प्रबंध निदेशक और अन्य निदेशकों (जिनमें) नामनिर्देशिती निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक (अन्य कंपनियों में उनके निदेशक पदों को दर्शाने हुए) मिलित हैं) के नाम, पते और उपजीविका ।

(ङ) परियोजना की अवस्थिति ।

(च) संयंव और मशीनरी, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया आदि

(झ) सहयोग, कोई संपादन प्रतिश्रुति या सहयोगकर्ताओं द्वारा विधान में भाग्यता ।

(ज) कज्ची सामग्री और पानी, विद्युत आदि जैसी उपयोगिताओं के लिए अवसरण विधायित की गयी अवधि ।

(झा) भूमि-अर्जन, सिविल संकर्म, संयंत्र और मशीनरी के प्रतिष्ठापन, परिरक्षण उत्पादन, वाणिज्यिक उत्पादन, आदि के ब्यौरे देते हुए परियोजना के कार्यान्वयन की समयावधि और श्रवं तक की प्रगति ।

(ञ) उत्पाद—

(i) उत्पाद (उत्पादकों की प्रकृति—उपभोक्ता/प्रौद्योगिक और अंतिम उपयोक्ता)

(ii) विषयन वृद्धिकोण और प्रस्तावित विषयन गठन ।

(iii) नियात की संभावनाएं और नियात बाध्यताएं, यदि कोई हो (किसी सेवा का उपबंध करने वाली कंपनी की दशा में, विशिष्टियां, जो लागू हों, दे)

(ट) भविष्य में संभाव्यताएं—उत्पादन प्रारम्भ होने की तारीख से पहले तीन वर्षों के दौरान प्रत्याशित अमता उपयोग, और वह प्रत्याशित वर्ष, जब कंपनी नकद नाम और शुद्ध लाभ अर्जित करने के योग्य होगी ।

कंपनी के अंशों (शेयर) डिवेचरों के लिए स्टाक बाजार आंकड़े बाजार डाटा (अंतिम तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष में उच्च/निम्न कीमत और अंतिम छह मास के दौरान मासिक उच्च/निम्न कीमत (जहां लागू हो) ।

VI. द्वारा 370 (1ब्र.) के अधीनतर्गत एक ही प्रबन्ध के अधीन आने वाली ऐसों कम्पनी और अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के, जिसने/जिहेने अंतिम तीन वर्षों में कोई फूंजी निर्गमन किया है, वारे में निम्नलिखित विशिष्टिया ।

कंपनी का नाम
निर्गमन का वर्ष
निर्गमन का प्रकार (पब्लिक/प्रधिकाराधित/
संयुक्त) ।
निर्गमन की रकम ।
निर्गमन बंद होने की तारीख
अंग (शेयर)/डिबेंचर प्रमाणपत्र के परिदान
की समाप्ति की तारीख
परियोजना पूरी होने की तारीख, जहां निर्गमन का उद्देश्य किसी परियोजना का वित्त-पोषण करना था ।
सुन्दर लाभांश की दर ।

VII. (क) निम्नलिखित से संबंधित परादेय मुकदमेबाजी :—

(i) ऐसे मामले जिनसे कंपनी के प्रचलन और वित्तपोषण पर प्रभाव पड़ने की संभावना है, और जिसके अन्तर्गत किसी भी प्रकार के विचाद प्रस्त कर के दायित्व भी है; तथा

(2) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची 13 के भाग 1 के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट अधिनियमियों के अधीन अभिक्षयित अपराधों के लिए कंपनी और निदेशकों के विरुद्ध आरम्भ किए गए दांडिक अभियोजन ।

(ख) कानूनी शोध्यों, संस्थागत शोध्यों को पूरा करने में, और लिखित धारकों जैसे डिबेंचरों, नियन्त्रकालिक निक्षेपों और संचित अधिमानी अंशों (शेयरों के बकाया आदि में हुए अविकल्प की विशिष्टियां (वैसे ही प्राइवेट संप्रवर्तकों द्वारा संप्रवर्तित और स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों की बाबत भी यही विशिष्टियां दें)

(ग) अंतिम तुलनपत्र की तारीख के पश्चात् कोई तात्काल उद्घटना और उसका कंपनी के काम करने और संभाव्यता पर प्रभाव ।

VIII. जोखिम कारकों का प्रबंध कार्य का प्रत्यक्ष ज्ञान (उदाहरणार्थ विनियमों दरों के उत्तार-चढ़ाव की अस्थिरता, कच्चे माल की उपलब्धता या उत्पाद के विपणन में कठिनाई, लागत/समय में बढ़ीतरी आदि) ।

भाग 2

अ. साधारण जानकारी

1. निदेशकों, संपरीक्षकों, सालिसिटरों/अधिवक्ताओं, निर्गमन प्रबंधकों, निर्गमन रजिस्ट्रार, कंपनी के बैंककारों, निर्गमन और निर्यात के बैंककारों की सहमति ।

2. विशेषज्ञ राय अभिप्राप्त की गई, यदि कोई हो ।
3. पिछले तीन वर्षों के दौरान निवेशकों और संपरीक्षकों में परिवर्तन, यदि कोई हुआ है और उसके कारण ।
4. निर्गमन प्राधिकारी और निर्गमन के लिए पारित संकल्प के ब्यौरे ।
5. प्रमाणपत्र आवंटन और जारी किए जाने के लिए प्रक्रिया और समय अनुसूची ।
6. कंपनी सचिव, विधि सलाहकार, मुख्य प्रबंधक, सह-प्रबंधकों, संपरीक्षकों, कंपनी के बैंककारों, निर्गमन बैंककारों और निर्गमन दलालों के नाम और पते ।

आ. वित्तीय जानकारी

दी जाने वाली रिपोर्ट

1. (क) मामले से यथा अपेक्षित इस खंड के उपखंड (2) या (3) के अनुसार लाभों और हानियों तथा आस्तियों और दायित्वों के विषय में, तथा (ख) कंपनी के अंशों (शेयरों) के हर वर्ग लेखे कंपनी द्वारा यदि कोई लाभांश प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने से अव्यवहृत पूर्व वाले पांच वित्तीय वर्षों में से हर एक के लिए दिए गए हैं तो उन अंशों (शेयरों) के हर वर्ग की विशिष्टियां, जिन पर ऐसे लाभांश दिए गए हैं तथा उन मामलों की विशिष्टियां, जिनमें अंशों (शेयरों) के किसी वर्ग लेखे वित्तीय वर्षों में से किसी में लाभांश नहीं दिए गए हैं देते हुए लाभांशों की दरों के विषय में, कंपनी के संपरीक्षकों द्वारा एक रिपोर्ट, तथा यदि उस तारीख को, जो प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने के तीन मास पूर्व की है, खत्म होने वाले पांच वर्षों की कालावधि के किसी भाग के लिए लेखा तैयार नहीं किए गए हैं, तो उस तथा कथन रिपोर्ट में दिया हुआ होगा तथा प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने की तारीख से छह मास से पहले की न होने वाली तारीख तक उक्त कालावधि के उस भाग के बारे में कंपनी के लेखाओं का विवरण, जिसमें उक्त कालावधि लेखे हुए लाभ या हुई हानि तथा आस्तियों और दायित्वों संबंधी वह स्थिति जो उस कालावधि के अंत पर है, संपरीक्षकों के इस प्रमाणपत्र सहित होगा कि उन लेखाओं की परीक्षा उन द्वारा कर ली गई है और वे उन द्वारा ठीक पाए गए हैं । उक्त कथन में उस उपबंध या समायोजनों का स्वरूप भी उपर्युक्त हो सकेगा जो कर लिए गए हैं या अभी किए जाने हैं ।

2. यदि कंपनी की कोई समनुषंगियां नहीं हैं तो रिपोर्ट में वहां तक—

- (क) जहां तक कि लाभों और हानियों का संबंध है कंपनी के उन लाभों या हानियों की अच्चा (अनावर्ती प्रकृति के हर मद को अलग-अलग लिखाते हुए)

होगी जो प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने के अव्यवहित पूर्ववर्ती पांच वित्तीय वर्षों में से हर एक में हुए या हुई है, तथा

(x) जहां तक कि आस्तियों और दायित्वों का संबंध है उस अंतिम तारीख तक कंपनी की आस्तियों और दायित्वों की चर्चा होगी जिस तक के लिए कंपनी के लेखा तैयार कर लिए गए हैं।

3. यदि कंपनी की समनुपांगियां हैं तो रिपोर्ट में—

(क) वहां तक, जहां तक कि लाभों और हानियों का संबंध है, कंपनी के लाभों या हानियों की पृथकतः ऐसी चर्चा होगी जैसी उपर्युक्त (2) द्वारा उपबंधित है तथा उसके साथ उसमें या तो—

(i) उसके समनुपांगियों के वहां तक, जहां तक कि कंपनी के सदस्यों का उनसे वास्ता है सम्मिलित लाभों की एक साथ चर्चा होगी, अथवा

(ii) हर एक समनुपांगी के वहां तक, जहां तक कि कंपनी के सदस्यों का उनसे वास्ता है, लाभों या हानियों की अलग-अलग चर्चा होगी;

अथवा कंपनी के लाभों या हानियों की तथा वहां तक, जहां तक कि कंपनी के सदस्यों का उनसे संबंध है, उसकी समनुपांगियों के सम्मिलित लाभों या हानियों की एक साथ चर्चा कंपनी के लाभों या हानियों की पृथकतः चर्चा के बदले में होगी; और

(ख) वहां तक जहां तक कि आस्तियों और दायित्वों का संबंध है, कंपनी की आस्तियों और दायित्वों की पृथकतः चर्चा ऐसे होगी जैसा उपर्युक्त (2) द्वारा उपबंधित है तथा उसके साथ उसमें या तो—

(i) कंपनी की आस्तियों और दायित्वों के सहित या बिना उसकी समनुषंगियों की सम्मिलित आस्तियों और दायित्वों की एक साथ चर्चा होगी, अथवा

(ii) हर एक समनुषंगी की आस्तियों और दायित्वों की अलग-अलग चर्चा होगी;

तथा समनुषंगियों की आस्तियों और दायित्वों की बाबत वह मोक उपर्दर्शित होगी जो कंपनी के सदस्यों से भिन्न व्यक्तियों के लिए दिया जाना है।

4. यदि अंशों (शेयरों) या डिबेन्चरों के निर्गमन के आगमों या उनके किसी भाग का प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उपर्योजन—

(i) किसी कारबाह के खरीदने में दिया जाना है, अथवा

(ii) किसी कारबाह में कोई हित खरीदने में किया गया है या किया जाना है तथा उस क्रिय के कारण या उसके परिणामस्वरूप या उसके संसंग में की जाने वाली किसी बात के कारण कंपनी ऐसे कारबाह में उसकी

पचास प्रतिशत में अधिक पूँजी या लाभों तथा हानियों अथवा दोनों की बाबत किसी हित की हकदार हो जाएगी—

तो लेखापालों द्वारा (जिनके नाम प्रौस्पेक्टस में दिए होंगे), एक रिपोर्ट जो—

(क) प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने के अव्यवहित पूर्ववर्ती पांच वित्तीय वर्षों में से हर एक के लिए उस कारबाह के लाभों या हानियों के बारे में है, तथा

(ख) उस अंतिम तारीख तक उस कारबाह की आस्तियों और दायित्वों के बारे में है जिस तक के लिए उस कारबाह के लेखा तैयार कर लिए गए हैं, किन्तु जो प्रौस्पेक्टस निकाले जाने की तारीख से एक सो बीस दिन से अधिक पूर्व की तारीख नहीं है।

5. (1) यदि—

(क) अंशों (शेयरों) या डिबेन्चरों के निर्गमन के आगमों का या उन आगमों के किसी भाग का प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उपर्योजन ऐसी रीति से किया जाना है कि परिणामस्वरूप कंपनी द्वारा किसी अन्य निगम निकाय के अंशों (शेयरों) का अर्जन हो जाए, तथा

(ख) उक्त अर्जन के कारण या उसके परिणामस्वरूप या उसके संसंग में की जाने वाली किसी बात के कारण वह निगम निकाय कंपनी का समनुषंगी हो जाएगा,

तो लेखापालों द्वारा (जिनके नाम प्रौस्पेक्टस में दिए हुए होंगे) की गई एक रिपोर्ट जो—

(i) प्रौस्पेक्टस के निकाले जाने के प्रव्यवहित पूर्ववर्ती पांच वित्तीय वर्षों में से हर एक के लिए उस अन्य निगम निकाय के लाभों या हानियों के बारे में है, तथा

(ii) उस अंतिम तारीख तक उस अन्य निगम निकाय की आस्तियों और दायित्वों के बारे में है जिस तक के लिए उस के लेखा तैयार कर लिए गए हैं।

(2) उक्त रिपोर्ट में—

(क) यह बात उपर्दर्शित होगी कि यदि वे अंश (शेयर) जो अर्जित किए जाने हैं सब तात्काल ममताओं पर कंपनी द्वारा धृत रहे होंते तो उस अन्य निगम निकाय वे लाभों या हानियों का क्या वास्ता वहां तक, जहां तक कि उन अंशों (शेयरों) का संबंध है, जो अर्जित किए जाने हैं, कंपनी के मदस्यों से होता तथा उन आस्तियों और दायित्वों के संबंध में, जिनकी ऐसे चर्चा उसमें की गई है, कितना मोक अन्य अंशों (शेयरों) के धारकों की बाबत देना होता, तथा

(ख) वहां, जहां कि प्रन्य निगम निकाय की समनु-
षंगियां हैं, उस निगम निकाय और उसकी समनु-
षंगियों के लाभों और हानियों तथा आस्तियों
और दायित्वों की चर्चा उस रीति में होगी जो
कंपनी और उसके समनुषंगियों के संबंध में उपरोक्त
खण्ड के उपखण्ड द्वारा उपबंधित है।

6. प्रतिभूति के रूप में प्रभारित उधार और आस्तियों
के मुद्य निबंधन।

डॉ. कानूनी और अन्य जानकारी.

- न्यूनतम प्रतिश्रुति
- निर्गमन व्यव जिसमें निम्नलिखित को संदेश फैसला पूर्थक रूप से दी जाएगी:
 - सलाहकार
 - निर्गमन रजिस्ट्रार
 - निर्गमन प्रबंधक
 - डिबेंचर धारकों के न्यासी
- निमांकन कर्माशान और इलाली
- नकदी के लिए पूर्व निर्गमन
- पूर्व लोक या अधिकार निर्गमन, यदि कोई हों:
 - पिछले पांच वर्षों के दौरान)

(ख) यदि प्रीमियम या बट्टे पर निर्गमन हुआ है तो उसकी रकम।

(ग) वह रकम जो हुर ऐसे अंश (शेयर) लेखे, जो प्रौद्योगिकी की तारीख से पूर्ववर्ती दो वर्षों के अन्दर निर्गमित किया गया है या निर्गमित किया जाना है, प्रीमियम के, यदि कोई हो, रूप में दी गई है या देय है और निर्गमन की तारीखें या प्रस्थापित तारीखें भी दी जाएंगी तथा जहां कि कुछ अंश (शेयर) प्रीमियम पर निर्गमित किए गए हैं या निर्गमित किए जाने हैं तथा उसी वर्ग के अन्य अंश (शेयर) निर्मनतर प्रीमियम पर या समतुल्य पर या अटे पर निर्गमित किए गए हैं या निर्गमित किए जाने हैं वहां उस अन्तर के सिए और वह रीति कारण जिससे प्राप्त कोई प्रीमियम व्ययनित किए गए हैं या किए जाने हैं।

6. पूर्व निर्गमन पर कमीशन या दलाली

7. नकदी से अन्यथा के लिए शेयरों (अंशों) का निर्गमन।

8. प्रॉस्पेक्टस की सारीख को बकाया कंपनी हारा जारी किए गए डिवेचर और मोचनीय अधिमानी शेयर (अंश) और अन्य लिखते तथा निर्गमन के निबंधन।

9. प्रतिश्वत् करने का विकल्प

10. संपत्ति का श्रम

(i) ऐसी किसी सम्पत्ति की आवत जिसे वह खंड लागू होता है —

(क) विफलताओं के नाम, पते, विवरण और उप-
जीविकाएं;

(x) वह रकम, जो नकदी में, या अंशों (शेयरों) या डिब्बेचारों में विश्रेता की दी गई है या देय है पथा जहां कि एक से अधिक पृथक्-पृथक् विश्रेता हैं अथवा कंपनी अनुक्रेता है वहां वह रकम जो हर विश्रेता को दी गई है या देय है तथा वह रकम, यदि कोई हो, जो गुडविल के लिए दी गई है या देय है, पृथकः विनिर्विष्ट की जाएगी;

(ग) कंपनी द्वारा अर्जित या प्रार्जित की जानी वानी एसी सम्पत्ति में हक या हित की प्रदूषिति;

(ब) दो पूर्ववर्ती वर्षों के अन्दर पुरे किए गए सम्पत्ति संबंधी उस हर संव्यवहार की संक्षिप्त विशिष्टियाँ जिसमें उस सम्पत्ति के किसी विक्रेता का या ऐसे किसी व्यक्ति का, जो कंपनी का संप्रबर्तक, निदेशक या प्रस्थापित निवेशक है, अथवा संव्यवहार के समय पर था, कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हित था तथा संव्यवहार की तारीख तथा ऐसे संप्रबर्तक, निदेशक या प्रस्थापित निवेशक का नाम तथा संव्यवहार की बाबत ऐसे विक्रेता, संप्रबर्तक, निदेशक या प्रस्थापित निवेशक के द्वारा या उसे देय रकम।

(ii) जिस सम्पत्ति को उपर्युक्त (i) लागू होता है वह संपत्ति कंपनी द्वारा खरीदी गई या अर्जित की गई या खरीदा जाने अर्जित किए जाने के लिए प्रस्थापित ऐसी सम्पत्ति है जिसके लिए प्रौद्योगिकी द्वारा प्रतिश्रुति के लिए आफर किए गए निर्णयन के आगमों में से पूर्णतः या भागतः संदाय किया जाना है अथवा जिसका अग्र या अर्जन प्रौद्योगिकी के निकाले जाने की तारीख पर पूरा नहीं हुआ था, किन्तु जो उस संपत्ति से मिलता है—

(क) जिसके क्रम या अर्जन के लिए संविदा कंपनी के कारबार के मामूली अनुक्रम में की गई थी, किन्तु न तो वह संविदा निर्गमन को ध्यान में रखते हुए की गई थी और न संविदा के परिणामस्थल्य वह निर्गमन किया गया था।

(ख) जिसके संबंध में अध्यधन की रकम तात्त्विक नहीं है।

(iii) जहां कि विक्रेताओं में से कोई एक फर्म है वहां फर्म के सबस्यां की बाबत इस खंड के प्रयोगनां के लिए यह नहीं माना जाएगा कि वे पथक-पथक विक्रेता हैं।

(iv) यदि कंपनी की यह प्रस्थापना है कि ऐसा कारबार अपने हाथ में ले लिया जाए, जो तीन वर्ष से कम समय तक चलाया जाता रहा है तो समय की वह वीर्यता जिसके दोगने वह कारबार चलाया जाता रहा है।

11.(i) निवेशकों, प्रस्थापित निदेशकों, पूर्णकालिक निदेशकों, उनके पारिश्रमिक के ब्यारे, प्रबंध निवेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक, निदेशकों के हित, उनकी उधार लेने की शक्तियों और अहंसा शेयर, अंश, किसी संप्रवर्तक या अधिकारी की पूर्ववर्ती दो वर्षों के भीतर संदर्भ या दिया गया था संदर्भ या विए जाने के लिए आशयित कोई रकम या लाभ और संदाय या लाभ दिए जाने के लिए प्रतिफल।

(ii)(क) ऐसी हर संविदा की, जिसके जरिए प्रबंध निदेशक, प्रबंध अभिकर्ता, संविदों तथा कोषपालों या प्रबंधक को नियुक्त किया गया है अथवा उनका पारिश्रमिक नियत किया गया है, भले ही वह कभी भी क्यों न की गई हो, अर्थात् वह प्रौस्पेक्टस की तारीख से पहले के दो वर्षों के अन्दर या उनसे अधिक वर्षों पूर्व की गई हो,

(ख) ऐसी हर अन्य तात्त्विक संविदा की, जो कंपनी द्वारा चलाए जाने वाले या चलाए जाने के लिए आशयित कारबार के मामूली अनुक्रम में की गई संविदा अथवा प्रौस्पेक्टस की तारीख से पूर्व दो वर्ष में अधिक पहले की गई संविदा नहीं है,

तारीखों में पूर्व उसके पक्षकार और उसका साधारण स्वरूप।

वह युक्तियुक्त समय और स्थान जिस पर किसी ऐसी संविदा या उसकी प्रति का निरीक्षण किया जा सकेगा।

(iii) हर निदेशक या संप्रवर्तक के—

(क) कंपनी के संप्रवर्तन में, अथवा

(ख) प्रौस्पेक्टस की तारीख के दो वर्ष के अन्दर कंपनी द्वारा अर्जित या अर्जित किए जाने के लिए प्रस्थापित किसी संपत्ति में यदि कोई हित हो तो उस हित के स्वरूप और मात्रा की संपूर्ण विशिष्टियाँ।

जहा कि ऐसे निदेशक या संप्रवर्तक का हित कर्म या कंपनी के मदस्य के रूप में हैं वहाँ फर्म या कंपनी के हित का स्वरूप और मात्रा तथा उसके साथ उन सब धनराशियों का एक कथन जो नकदी में या अंशों (शेयरों) में या, अन्यथा किसी व्यक्ति द्वारा उसे या फर्म को या कंपनी को इस बात के लिए दी गई हैं या वो जाने के लिए करार पाई गई है कि वह व्यक्ति या तो निदेशक बनने के लिए उत्तरेति किया जाए या निदेशक बनने के लिए अर्ह कर दिया जाए या जो अन्यथा कंपनी के संप्रवर्तन के या बनाने के संबंध में उस द्वारा या फर्म या कंपनी द्वारा की गई सेवाओं के लिए दी गई है या वो जाने के लिए करार पाई गई है।

12. मतदान, लाभाश, शेयरों (अंशों) के धारणाधिकार की वाबत सदस्यों के अधिकार और ऐसे अधिकारों के उपातरण और शेयरों (अंशों) के सम्पर्क की प्रक्रिया।

13. शेयरों (अंशों)/डिबेंचरों के अन्तरण और पारेषण पर तथा उनके समेकन/विभाजन पर निर्बन्धन, यदि कोई हो।

14. आस्तियों, यदि कोई हों, का पुनर्मूल्यांकन (पिछले पांच वर्षों के दौरान)

15. तात्त्विक संविदायें और दस्तावेजों का निरीक्षण, उदाहरणार्थः

अ. तात्त्विक संविदायें

आ. दस्तावेजें

इ. वह समय और स्थान जिस पर दस्तावेजों सहित संविदायें प्रौस्पेक्टस की तारीख से प्रतिश्रुति सूची के बंद होने की तारीख तक निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी।

भाग—3

अनुसूची के भाग 1 और 2 पर लागू होने वाले

उपबंध

16. ऐसे हर व्यक्ति की बाबत, जिसने कंपनी द्वारा अर्जित किए जाने वाली किसी संपत्ति के विश्वय या क्रय अथवा क्रय के किसी विकल्प के लिए आत्यन्तिक या सर्वत संविदा कर ली है ऐसी किसी दशा में, जिसमें कि—

(क) क्रय धन प्रौस्पेक्टस के निकलने की तारीख को पूरी तरह नहीं देखिया गया है;

(ख) क्रय धन उस निर्गमन के आगमा में से, जो प्रौस्पेक्टस द्वारा प्रतिश्रुति के लिए आफर किया गया है पूर्णतः या भागतः दिया या चुकाया जाना है;

(ग) संविदा उस निर्गमन के परिणाम पर अपनी विधि-मान्यता या पूर्ति के लिए निर्भर है;

इस अनुसूची के प्रयोजनों के लिए यह समझा जाएगा कि वह विशेषता है।

17. जहाँ कि कंपनी द्वारा अर्जित की जाने वाली संपत्ति पट्टे पर ली जानी है वहाँ इस अनुसूची का प्रभाव ऐसे होगा मानो “विक्रेता” शब्द के अन्तर्गत पट्टादाता आता हो तथा “क्रयधन” पदावलि के अन्तर्गत पट्टे के लिए प्रतिफल आता हो तथा “अनुक्रेता” शब्द के अन्तर्गत उप-पट्टादार आता हो।

18. यदि ऐसी कंपनी की दशा में, जो अपना कारबार पांच वित्तीय वर्षों से कम वर्षों से चला रही है अथवा ऐसे कारबार की दशा में, जो पांच वित्तीय वर्षों से कम वर्षों के लिए चलाया जाता रहा है, उस कंपनी या कारबार के लेखा ऐसे चार वर्षों, ऐसे तीन वर्षों, ऐसे दो वर्षों या एक वर्ष के लिए ही संयार किए गए हैं तो इस अनुसूची का भाग 2 ऐसे प्रभावशील होगा मानो यथास्थिति चार वित्तीय वर्षों, तीन वित्तीय वर्षों, दो वित्तीय वर्षों या एक वित्तीय वर्ष के प्रति निर्देश पांच वित्तीय वर्षों के निर्देशों के बदले में रख दिए गए हों।

19. जहां कि नीमेस्ट्रस के निकाले जाए के अव्यवहित पूर्ववर्ती वे पांच विनीय वर्ष, जिनके प्रति निर्देश इस अनुसूची के भाग 2 या इस भाग में किया गया है, पांच वर्षों में कम कालावधि के हैं वहां दोनों भागों में मैं किसी में पांच विनीय वर्षों के प्रतिनिर्देशों का प्रभाव ऐसे होगा मानो मूर्खित पांच विनीय वर्षों के प्रति निर्देशों के बदले में इनमें विनीय वर्षों की संख्या, जितनों की संकलित कालावधि प्रौद्योगिक्स के निकाले जाने से अव्यवहित पूर्ववर्ती पांच वर्षों में कम नहीं है, उन्हीं दी गई है।

20. इस अनुसूची के भाग 2 में अपेक्षित किसी रिपोर्ट में या तो—

- (क) किन्हीं लाभों या हानियों या आमित्यों और वायित्वों के, जिनकी चर्चा उस रिपोर्ट में की गई है, अंकों के ऐसे समायोजन, जैसे रिपोर्ट करने वाले व्यक्तियों को आवश्यक प्रतीत होते हैं, टिप्पण के रूप में उपर्युक्त होंगे; या
- (ख) वे समायोजन कर दिए होंगे और यह उपर्युक्त होगा कि वे समायोजन कर दिए गए हैं।

21. लेखापालों से इस अनुसूची के भाग 2 द्वारा जो रिपोर्ट अपेक्षित है वह रिपोर्ट—

- (क) उन लेखापालों द्वारा दी जाएगी जो कंपनी के संपरीक्षकों के रूप में कंपनी के लिए इस अधिनियम के अधीन अर्हे हैं, तथा
- (ख) ऐसे किसी लेखापाल द्वारा नहीं दी जाएगी, जो कंपनी का या कंपनी की समनुषंगी या नियंत्री कंपनी का या कंपनी की नियंत्री कंपनी की समनुषंगी का अधिकारी या सेवक या भागीदार है या ऐसे अधिकारी या सेवक के नियोजन में है।

इस खंड के प्रयोजनों के लिए, “अधिकारी” शब्द के प्रत्यर्गत प्रस्थापित निरेशक आता है किन्तु संपरीक्षक नहीं प्राप्त।

22. दस्तावेजों का निरीक्षण :—वह युक्तियुक्त समय और स्थान, जिस पर सब तुलनपत्रों की ओर लाभ-हानि लेखाओं की, यदि कोई हो, उन प्रतियों का निरीक्षण किया जा सकेगा जिन पर संपरीक्षकों की रिपोर्ट आधृत है और नात्विक संविदा तथा अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकेगा।

टिप्पण : अवधि वर्ष में जहां-जहां इसमें इसका प्रयोग हुआ है, वित्तीय वर्ष अभिव्येत है।

घोषणा : यह कि कंपनी अधिनियम, 1956 के मध्ये सुसंगत उपबंधों और सरकार द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शनों का अनुपालन किया गया है और प्रौद्योगिक्स में किया गया कोई

ग कंपनी अधिनियम, 1956 और उसके अधीन अनाए गए नियमों के उपबंधों के प्रतिकूल नहीं है।

निरेशकों के हस्ताक्षर ।।

[फा. स. 1/6/88-सोएस-5]

मुख्य प्रबंधी, भव्यकृत मर्चिव

स्थान :

तारीख :

पाद टिप्पण :—

1. सा. का. नि. संख्या 129, दिनांक 3-1-1968 द्वारा अनुसूची II को संशोधित किया गया।

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd October, 1991

S.O. 666(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 641 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendments, with effect from the 1st day of November, 1991, in Schedule II to the said Act, namely :—

In the said Schedule, for parts I to III and the entries relating thereto, the following parts and entries shall be substituted, namely :—

“PART I

1. General Information.—(a) Name and address of registered office of the company.
- (b) (i) Consent of the Central Government for the present issue and declaration of the Central Govt. about non-responsibility for financial soundness or correctness of statements.
- (ii) Letter of Intent/Industrial licence and declaration of the Central Government about non-responsibility for financial soundness or correctness of statements.
- (c) Names of Regional Stock Exchange and other stock exchanges where application made for listing of present issue
- (d) Provisions of sub-section (1) of Section 68A of the companies Act relating to punishment for fictitious applications
- (e) Statement/Declaration about refund of the money if minimum subscription of 90 per cent is not received within 90 days from closure of the issue.
- (f) Declaration about the issue of allotment letters/ refunds within a period of 10 weeks and interest in case of any delay in refund at the prescribed rate under section 73(2)(2A).

(g) Date of opening of the issue.

Date of closing of the issue.

Date of earliest closing of the issue.

(h) Name and address of auditors, and Lead managers.

(i) Name and address of Trustees Under Debenture Trust Deed (In case of debenture issue).

(j) Whether rating from CRISIL or any other rating agency has been obtained for the proposed debenture/preference shares issue.

If no rating has been obtained this should be answered as "No".

If yes, the rating should be indicated.

(k) Underwriting of the issue

(Names and addresses of the underwriters and the amount underwritten by them).

(Declaration by Board of Directors that the underwriters have sufficient resources to discharge their respective obligations).

II. Capital structure of the company.—(a) Authorised, Issued, Subscribed and paid up capital.

(b) Size of present issue giving separately reservation for preferential allotment to promoters and others.

(c) Paid up capital

(i) after the present issue.

(ii) after conversion of debentures (if applicable).

III. Terms of the present issue.—(a) Terms of payments.

(b) Rights of the instrument holders

(c) How to apply—availability of forms, prospectus and mode of payment.

(d) Any special tax benefits for company and its shareholders.

IV. Particulars of the issue.—(a) Objects.

(b) Project cost.

(c) Means of Financing (including contribution of promoters).

V. Company, Management and Project.—(a) History and main objects and present business of the company.

(b) Subsidiary(jes) of the company, if any (For financial data refer to auditor's report in part II).

(c) Promoters and their background.

(d) Names, addresses, and occupation of Manager, Managing Director and other Directors including nominee directors, whole-time directors (giving their directorships in other companies).

(e) Location of project.

(f) Plant and Machinery, Technology, Process etc.

(g) Collaboration, any performance guarantee or assistance in marketing by the collaborators.

(h) Infrastructure facilities for raw materials and utilities like water, electricity etc.

(i) Schedule of Implementation of the project and progress so far, giving details of land acquisition, civil

works, installation of plant and machinery, trial production, commercial production etc.

(j) The products :

(i) Nature of the Products—Consumer| Industrial and end users.

(ii) Approach to marketing and proposed marketing set up.

(iii) Export possibilities and export obligations, if any.

(In case of a company providing any 'service' particularly as applicable, be furnished).

(k) Future prospects—expected capacity utilisation during the first three years from the date of commencement of production, and the expected year when the company would be able to earn cash profits and net profits.

Stock Market data for Shares Debentures of the company (high|low price in each of the last 3 years and monthly high|low during the last six months (where applicable).

VI. Following particulars in regard to the company and other listed companies under the same management within the meaning of Section 370(1B), which made any capital issue during the last 3 years :

Name of the Company :

Year of Issue :

Type of Issue :

(Public|Rights|Composite) :

Amount of Issue :

Date of Closure of Issue :

Date of Completion of delivery of share|debenture certificates.

Date of Completion of the project, where object of the issue was financing of a project :

Rate of Dividend paid :

VII (a) Outstanding litigation pertaining to.—(i) matters likely to affect operation and finances of the company including disputed tax liabilities of any nature ; and

(ii) criminal prosecution launched against the company and the directors for alleged offences under the enactments specified in paragraph 1 of Part I of Schedule XIII of the Companies Act, 1956.

(b) Particulars of default, if any, in meeting statutory dues, institutional dues, and towards instrument holder like debentures, fixed deposits, and arrears on cumulative preference shares, etc. (Also give the same particulars about the companies promoted by the same private promoters and listed on stock exchanges).

(c) Any material development after the date of the latest balance sheet and its impact on performance and prospects of the company.

VIII. Management Perception of Risk Factors (e.g., Sensitivity to foreign exchange rate fluctuations difficulty in availability of raw materials or in marketing of products, cost/time over-run, etc).

PART II**A GENERAL INFORMATION.**

1. Consent of Directors, Auditors, Solicitors|Advocates, Managers to Issue, Registrar of Issue, Bankers to the Company, Bankers to the Issue and Experts.

2. Expert opinion obtained, if any.

3 Change, if any, in directors and auditors during the last three years, and reasons thereof.

4. Authority for the Issue and details of resolution passed for the Issue.

5 Procedure and time schedule for allotment and issue of certificates.

6 Names and addresses of the Company Secretary, Legal Adviser, Lead Managers, Co-managers, Auditors, Bankers to the company, Bankers to the issue, and Brokers to the issue.

B. FINANCIAL INFORMATION**Reports to be set out**

1. A report by the auditors of the company with respect to.—(a) profits and losses and assets and liabilities, in accordance with sub-clause (2) or (3) of this clause, as the case may require : and

(b) the rates of dividends, if any, paid by the company in respect of each class of shares in the company for each of the five financial years immediately preceding the issue of the prospectus, giving particulars of each class of shares on which such dividends have been paid and particulars of the cases in which no dividends have been paid in respect of any class of shares for any of those years :

and, if no accounts have been made up in respect of any part of the period of five years ending on a date three months before the issue of the prospectus, containing a statement of that fact and accompanied by a statement of the accounts of the company in respect of that part of the said period upto a date not earlier than six months of the date of issue of prospectus indicating the profit or loss for that period and the assets and liabilities position as at the end of that period together with a certificate from the auditors that such accounts have been examined and found correct by them. The said statement may indicate the nature of provision or adjustments made or are yet to be made).

2. If the company has no subsidiaries, the report shall.—(a) so far as regards profits and losses, deal with the profits or losses of the company (distinguishing items of a non-recurring nature) for each of the five financial years immediately preceding the issue of the prospectus : and

(b) so far as regards assets and liabilities, deal with the assets and liabilities of the company at the last date to which the accounts of the company were made up.

3. If the company has subsidiaries the report shall.—(a) so far as regards profits and losses, deal separately with the company's profits or losses as

provided by sub-clause 2 and in addition deal either:—

(i) as a whole with the combined profits or losses of its subsidiaries, so far as they concern members of the company; or

(ii) individually with the profits or losses of each subsidiary, so far as they concern members of the company;

or, instead of dealing separately with the company's profits or losses, deal as a whole with the profits or losses of the company, and, so far as they concern members of the company, with the combined profits or losses of its subsidiaries ; and

(b) so far as regards assets and liabilities, deal separately with the company's assets and liabilities as provided by sub-clause (2) and in addition, deal either :—

(i) as a whole with the combined assets and liabilities of its subsidiaries, with or without the company's assets and liabilities, or

(ii) individually with the assets and liabilities of each subsidiary ;

and shall indicate as respects the assets and liabilities of the subsidiaries, the allowance to be made for persons other than members of the company.

4. If the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue of the shares or debentures are or is to be applied directly or indirectly :—

(i) in the purchase of any business ; or

(ii) in the purchase of an interest in any business and by reason of that purchase or, anything to be done in consequence thereof, or in connection therewith, the company will become entitled to an interest as respects either the capital or profits and losses or both, in such business exceeding fifty per cent, thereof ;

a report made by accountants (who shall be named in the prospectus) upon (a)—the profits or losses of the business for each of the financial years immediately preceding the issue of the prospectus ; and

(b) the assets and liabilities of the business at the last date to which the accounts of the business were made up, being a date not more than one hundred and twenty days before the date of the issue of the prospectus.

5. (1) If.—(a) the proceeds, or any part of the proceeds, of the issue of the share or debentures are or is to be applied directly or indirectly in any manner resulting in the acquisition by the company of shares in any other body corporate ; and

(b) by reason of that acquisition or anything to be done in consequence thereof or in connection therewith, that body corporate will become a subsidiary of the company ;

a report made by accountant (who shall be named in the prospectus) upon :—

(i) the profits or losses of the other body corporate for each of the five financial years im-

mediately preceding the issue of the prospectus; and

(ii) the assets and liabilities of the other body corporate at the last date to which its accounts were made up.

(2) The said report shall.—(a) indicate how the profits or losses of the other body corporate dealt with by the report would, in respect of the shares to be acquired, have concerned members of the company and what allowance would have fallen to be made, in relation to assets and liabilities so dealt with for holders of other shares, if the company had at all material times held the shares to be acquired ; and

(b) where the other body corporate has subsidiaries, deal with the profits or losses and the assets and liabilities of the body corporate and its subsidiaries in the manner provided by sub-clause E 3 in relation to the company and its subsidiaries.

6 Principal Terms of Loan and assets charged as Security.

C. Statutory and other information.

1. Minimum subscription.

2. Expenses of the issue giving separately fee payable to :—

(a) Advisers.

(b) Registrars to the issue.

(c) Managers to the issue.

(d) Trustees for the debenture holders.

3. Underwriting commission and brokerage.

4. Previous issue for cash.

5. Previous public or rights issue, if any (during last five years) :—

(a) Date of Allotment : Closing Date Date of Refunds : Date of listing on the stock exchange :

(b) If the issue(s) at premium or discount, the amount thereof.

(c) The amount paid or payable by way of premium, if any, on each share which had been issued within the two years preceding the date of the prospectus or is to be issued, stating the dates or proposed dates of issue and, where some shares have been or are to be issued at a premium and other shares of the same class or for creation, or at par or at a discount, the reasons for the differentiation and how any premiums received have been or are to be disposed of.

6. Commission or Brokerage on previous issue

7. Issue of shares otherwise than for cash.

8. Debentures and redeemable preference shares and other instruments issued by the company outstanding as on the date of prospectus and terms of issue.

9. Option to subscribe.

10. Purchase of Property ---(i) As respects any property to which this clause applies:—

(a) the names, addresses, descriptions and occupations of the vendors ;

(b) the amount paid or payable in cash, shares or debentures to the vendor and, where there is more than one separate vendor, or the company is a sub-purchaser, the amount so paid or payable to each vendor, specifying separately the amount, if any, paid or payable for goodwill ;

(c) the nature of the title or interest in such property acquired or to be acquired by the company ;

(d) short particulars of every transaction relating to the property completed within the two preceding years in which any vendor of the property to the company or any person who is or was at the time of the transaction, a promoter, or a director or proposed director of the company had any interest, direct or indirect, specifying the date of the transaction and the name of such promoter, director or proposed director and stating the amount payable by or to such vendor, promoter, director or proposed director in respect of the transaction.

(ii) The property to which sub-clause (1) applies is a property purchased or acquired by the company or proposed to be purchased or acquired, which is to be paid for wholly or partly out of the proceeds of the issue offered for subscriptions by the prospectus or the purchase or acquisition of which has not been completed at the date of issue of the prospectus, other than property :—

(a) the contract for the purchase or acquisition whereof was entered into in the ordinary course of the company's business, the contract not being made in contemplation of the issue nor the issue in consequence of the contract ; or

(b) as respects which the amount of the purchase money is not material.

(iii) For the purpose of this clause, where a Vendor is a firm, the members of the firm shall not be treated as separate Vendors.

(iv) If the company proposes to acquire a business which has been carried on for less than three years, the length of time during which the business has been carried on.

11. (i) Details of Directors, proposed directors, whole-time directors, their remuneration. Appointment and Remuneration of Managing Directors, Interests of Directors, their borrowing powers and Qualification shares.

Any amount or benefit paid or given within the two preceding years or intended to be paid or given to any promoter or officers and consideration for payment of giving of the benefit.

(ii) The dates, parties to, and general nature of—

- (a) every contract appointing or fixing the remuneration of a managing director or manager whenever entered into, that is to say, whether within or more than, two years before the date of the prospectus ;
- (b) every other material contract, not being a contract entered into in the ordinary course of the business carried on or intended to be carried on by the company or a contract entered into more than two years before the date of the prospectus.

A reasonable time and place at which any such contract or a copy thereof may be inspected.

(iii) Full particulars of the nature and extent of the interest, if any, of every director or promoter:-

- (a) in the promotion of the company ; or
- (b) in any property acquired by the company within two years of the date of the prospectus or proposed to be acquired by it.

Where the interest of such a director or promoter consists in being a member of a firm or company, the nature and extent of the interest of the firm or company, with a statement of all sums paid or agreed to be paid to him or to the firm or company in cash or shares or otherwise by any person either to induce him to become, or to qualify him as, a director, or otherwise for services rendered by him or by the firm or company, in connection with the promotion or formation of the company.

12. Rights of members regarding voting dividend, lien on shares and the process for modification of such rights and forfeiture of shares.

13. Restrictions, if any, on transfer and transmission of shares/debentures and on their consolidation/splitting.

14. Revaluation of assets, if any. (during last 5 years).

15. Material contracts and inspection of documents e.g.

A. Material Contracts

B. Documents.

C. Time and Place at which the contracts together with documents will be available for inspection from the date of prospects until the date of closing of the subscription list.

PART III

PROVISIONS APPLYING TO PARTS-I AND II OF THE SCHEDULE

16. Every person shall for the purposes of this Schedule, be deemed to be a vendor who has entered into contract, absolute or conditional, for the sale or purchase or for any option of purchase, of any property to be acquired by the company, in any case where—

- (a) the purchase money is not fully paid at the date of the issue of the prospectus ;
- (b) the purchase money is to be paid or satisfied, wholly or in part, out of the proceeds of the issue offered for subscription by the prospectus ;
- (c) the contract depends for its validity or fulfilment on the result of that issue.

17. Where any property to be acquired by the company is to be taken on lease, this Schedule have effect as if the express "vendor" included the lessor, the expression "purchase money" included the consideration for the lease, and the expression "sub-purchaser" included a sub-lessee.

18. If in the case of a company which has been carrying on business, or of a business which has been carried on for less than five financial years, the accounts of the company or business have only been made up in respect of four such years, three such years, two such years or one such year. Part II of this Schedule shall have effect as if reference to four financial years, three financial years, two financial years or one financial year, as the case may be, were substituted for references to five financial years.

19. Where the five financial years immediately preceding the issue of prospectus which are referred to in Part II of this Schedule or in this part cover a period of less than five years, references to the said five financial years in either Part shall have effect as if references to a number of financial years the aggregate period covered by which is not less than five years immediately preceding the issue of the prospectus were substituted for references to the five financial years aforesaid.

20. Any report required by Part II of this Schedule shall either.—(a) indicate by way of note any adjustments as respects the figures of any profits or losses or assets and liabilities dealt with by the report which appear to the persons making the report necessary ; or

(b) make those adjustments and indicate that adjustments have been made.

21 Any report by accountants required by Part II of this Schedule.—(a) shall be made by accountants qualified under this Act for appointment as auditors of the company; and

(b) shall not be made by any accountant who is an officer or servant, or a partner or in the employment of an officer or servant, of the company or of the company's subsidiary or holding company or of a subsidiary of the company's holding company.

For the purposes of this clause, the expression "officer" shall include a proposed director but not an auditor.

22. Inspection of documents.—Reasonable time and place at which copies of all balance sheets and profit and loss accounts, if any, on which the report of the auditors is based, and material contracts and other documents may be inspected.

NOTE : Term 'year' wherever used herein earlier means financial year.

Declaration.—that all the relevant provisions of Companies Act, 1956 and the guidelines issued by the Government have been complied with and no statement made in prospectus is contrary to the provisions of Companies Act, 1956 and rules thereunder.

Place :

Dated :

Signature of Directors".

[F. No. 1|6|88-CL. V]

SUDHA PILLAI, Jt. Secy.

FOOT NOTE :

The Schedule II was amended vide 1. G.S.R. No. 129 dated 3-1-1968.